हर मन्दिर सिंह 'हमराज़' (18 नवम्बर 1951/कानपुर, भारत)
संकलक: हिन्दी फ़िल्म गीत कोश (1931-85), हिन्दी फ़िल्मोग्राफ़ी (1986-2013)
संपादक : 'लिस्नर्स बुलेटिन' (त्रैमासिक पत्रिका/अक्तूबर 1971 से प्रकाशित)

संगीत के लिए प्यार मुझे अपनी माँ और नानी से विरासत में मिला था जो खुद पंजाबी शबद और लोक गीतों की बहुत अच्छी गायिकाएं थीं. मेरी शुरुआती यादें 1958-59 में विवाह के दौरान लाउडस्पीकर से सुनाई देने वाले जैसे ***'दो सितारों का ज़मीं पर है मिलन आज की रात...'*** (कोहिनूर), ***'दिल की कहानी रंग लाई है...'***(चौदहवीं का चाँद), आदि हिन्दी फ़िल्म गीतों से जुड़ी हैं जो आज भी मुझे मेरे बचपन की याद दिलाते हैं. हाई स्कूल (1966-67) तक पहुँचते-पहुँचते मैंने अपनी पसन्द के गीतों को इधर-उधर दर्ज करना शुरू कर दिया था लेकिन मैं इतने भर से सन्तुष्ट नहीं था क्योंकि यह जानकारी हमेशा अधूरी होती थी. रेडियो सीलोन, ऑल इण्डिया रेडियो (उर्दू सेवा), विविध भारती आदि रेडियो स्टेशनों से सुने जाने वाले गीतों की फ़िल्म या उसके गायक या संगीतकार या गीतकार का नाम पता लगाने के लिए मैं तब तक बेचैन रहता था जब तक कि वह जानकारी मिल नहीं जाती थी. बहुत कोशिशों के बाद भी जब मुझे कोई ऐसी प्रामाणिक पुस्तक नहीं मिली जिससे मुझे हिन्दी फिल्मों के सभी गीतों की सटीक एवं पूर्ण जानकारी मिल पाती तो मैं बहुत निराश हो गया. निराशा के उन्हीं लम्हों ने मुझे ख़ुद ही ऐसी जानकारी संकलित करने के लिए प्रेरित किया था भले ही मुझे यह पता नहीं था कि इतनी ढेर-सी जानकारी आख़िर कैसे और कहाँ से हासिल की जा सकती है.

जून 1972 में स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद, मैंने जुलाई 1972 में भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय, कानपुर में प्रवेश किया. अप्रैल 1982 में स्थानीय प्रधान कार्यालय के लखनऊ स्थानान्तरित हो जाने के बाद मुझे आँचलिक कार्यालय, कानपुर में नियुक्ति मिली. जनवरी 1980 में **हिन्दी फ़िल्म गीत कोश** के खण्डों के प्रकाशन का सिलसिला शुरू हो जाने के बाद ही मेरी शादी दिसम्बर 1980 में सतिन्दर कौर के साथ हुई जो अब इन खण्डों की प्रकाशक हैं. 30 नवम्बर 2011 की सन्ध्या को सेवानिवृत्ति पर मैंने भारतीय स्टेट बैंक को अलविदा कह दिया जिसके बाद से मैं सारा समय हिन्दी फ़िल्मों एवं इनके गीतों के शेष संकलन कार्य को निपटाने में जुटा हुआ हूँ.

- हर मन्दिर सिंह 'हमराज़'